तू राजा बना दे या भिखारी | By Muskan Soni

तू राजा बना दे या भिखारी ,तीन बाण के धारी
मैं भीख मांगने आउंगी , चौखट पे श्याम तुम्हारी

ग्यारस पे आके खाटू तेरी हाज़री भरूंगी
तेरी रज़ा में राज़ी रहूंगी
सजा जो मिलेगी हंस के सहूंगी
तेरे आगे हाथ फैलाउंगी मैं सबसे बड़ी भिखारी
तू राजा बना दे या भिखारी ,तीन बाण के धारी

मुझसे नज़रें तोड़ ली तो टूट गाँठ लग जाएगी
तेरे दर से हार गई जो, नज़रे कभी ना जुड़ पाएंगी
मैं अपना फ़र्ज़ निभाऊंगी, मेरे मनमोहन गिरधारी
तू राजा बना दे या भिखारी ,तीन बाण के धारी

बिखर ना जाऊं बाबा तू हारे का सहारा
खाली गई जो होगी बदनामी,
समझेगा पीड़ा मेरी अन्तर्यामी
सज्जन कब तक गम पियेगा मैं हार गई बनवारी
तू राजा बना दे या भिखारी ,तीन बाण के धारी

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a4%e0%a5%82-%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%9c%e0%a4%be-%e0%a4%ac%e0%a4%a8%e0%a4%be-%e0%a4%a6%e0%a5%87-%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%ad%e0%a4%bf%e0%a4%96%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%80-by-muskan-soni/